www.sgbauonline.com

AU–3507

M.A. (Part—II) Translation Hindi Examination

ADHUNIK HINDI SAHITYA KA PRAVRUTIMULAK WA BHASHAGAT PARICHAY

Paper—III (A)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचना :— सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिये :— 30

(क) करते हैं हम पतित जनों में
बहुधा, पशुता का आरोप
करता है, पशु वर्ग किन्तु क्या
निज निसर्ग नियमों का लोप
मैं मनुष्यता को सुरत्व की
जननी भी कह सकता हूँ,
किन्तु पतित को पशु कहना भी
कभी नहीं सह सकता हूँ।

अथवा

पहेली-सा जीवन है व्यस्त,
उसे सुलझाने का अभिमान—
बताता है विस्मृति का मार्ग,
चल रहा हूँ बनकर अनजान।
भूलता ही जाता दिन-रात,
सजल-अभिलाषा-कलित अतीत,
बढ़ रहा तिमिर-गर्भ में नित्य,
दीन जीवन का यह संगीत।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ख) भोजन, निद्रा और विनोद ये ही मनुष्य जीवन के तत्व हैं। इसके सिवा सब गोरख-धन्धा है। मैं धर्म को बुद्धि से बिल्कुल अलग समझता हूँ, धर्म को तोलने के लिए बुद्धि उतनी ही अनुपयुक्त है, जितना बैंगन तोलने के लिए सुनार काँटा। धर्म धर्म है, बुद्धि बुद्धि। या तो धर्म का प्रकाश इतना तेजोमय है कि बुद्धि की आँखे चौंधिया जाती हैं, या इतना घोर अंधकार है कि बुद्धि को कुछ नजर ही नहीं आता।

अथवा

हाय दीदी, इस समय उनकी सेवा कौन करता होगा ? कहाँ पड़े होंगे ? दीदी, तुम धन्य हो, तुम्हारा ही उनपर सच्चा अधिकार है। अधिकार तो सेवा से ही मिलता है। मैं हत भाग्या तो उनके कष्ट के समय तब भी आराम से घर में पड़ी थी, अब भी पड़ी हूँ। हाय दीदी, मैं उनके किसी काम न आयी। फिर क्या हुआ दीदी ?

(ग) लोभ पाप को मूल है, लोभ मिटावत मान।
लोभी कबहुँ न दीजिए, या में नरक निदान।

अथवा

प्रणय, प्रेम ! जब सामने से आते हुए तीव्र आलोक की तरह आँखों में प्रकाश-पुंज उँडेल देता है तब सामने की सब वस्तुएँ और भी अस्पष्ट हो जाती है। अपनी ओर से कोई भी प्रकाश की किरण नहीं। तब वही, केवल वही ! हो पागलपन, भूल हो, दुःख मिले, प्रेम करने में एक ऋतु होती है। इसमें चूकना, इससे बच समझकर चलना, दोनों बराबर हैं।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिये :— 30

(i) कामायनी के कथा स्रोत का विवेचन करते हुए उसमें अभिव्यक्त कवि के दर्शन को स्पष्ट कीजिये।

(ii) 'ध्रुवस्वामिनी एक सफल ऐतिहासिक नाटक है', सिद्ध कीजिये।

(iii) 'आठवाँ सर्ग' का कथानक अपने शब्दों में लिखिये।

(iv) क्या 'पुनर्नवा' को सांस्कृतिक उपन्यास की संज्ञा देना उचित है ? अपना मत प्रस्तुत कीजिये।

(v) 'अंधेर नगरी' की कथा वस्तु संक्षेप में लिखिये।

(vi) 'सूरदास ही 'रंगभूमि' उपन्यास का नायक है। सिद्ध कीजिये।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर लगभग **10** से **15** पंक्तियों में लिखिये :— 20

(i) गजाधर बाबू के विचारों को आघात कैसे पहुचा ?

(ii) 'पेट का दर्द और देश का' इस निबंध से हरिशंकर परसाई ने कौनसे विचार प्रस्तुत किए हैं ?

(iii) 'जहाँ लक्ष्मी कैद है' कहानी का उद्देश्य क्या है ?

(iv) 'मैं हार गई' इस कहानी पर टिप्पणी कीजिये।

(v) 'पंचवटी' में प्रकृति-चित्रण' विषय पर अपने विचार लिखिये।

(vi) 'श्रद्धा और भक्ति' में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिये।

(vii) रंगमंच की दृष्टि से 'लहरों के राजहंस' नाटक की समीक्षा कीजिये।

(viii) 'ताई का चरित्र-चित्रण' कीजिये।

(ix) 'आम फिर बौरा गए' निबंध में व्यक्त लेखक के विचारों का विश्लेषण कीजिये।

(x) 'ईदगाह के हमीद' का चरित्र-चित्रण कीजिये।

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

(अ) एक वाक्य में उत्तर दीजिये :— 10

(1) देवरात की पत्नी का नाम क्या है ?

(2) शिखर स्वामी किस नाटक का पात्र है ?

(3) 'अंधेर नगरी' में छठवाँ अंक कौनसा है ?

(4) 'नन्द' की पत्नी का क्या नाम है ?

(5) रामधारी दिनकर को कौनसी रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था ?

(6) 'पंचवटी' का प्रकाशन वर्ष क्या है ?

(7) कौनसी कृति हिन्दी के निबंधकारों के लिए पथ-प्रदर्शक बनी हुई है ?

(8) मृणालमंजरी के बेटे का क्या नाम है ?

(9) लक्ष्मी के पिता का क्या नाम है ?

(10) 'स्वेन' कहानी के लेखन कौन है ?

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये :— 10

(1) छायावाद की समाप्ति काव्य ________ से मानी जाती है।

(2) ______ को आधुनिक हिंदी गद्य का जनक माना जाता है।

(3) अनसूया ________ नाटक की पात्रा है।

(4) मिहिरदेव की ललिता पुत्री ____ है।

(5) ठिठुरता हुआ गणतंत्र के रचयिता ______ है।

(6) कामायनी का अंतिम सर्ग ________ है।

(7) रंगनाथ ________ उपन्यास का पात्र है।

(8) पञ्चवटी के रचयिता ________ है।

(9) लाजवंती अलीगढ़ में ________ समाप्त तब नहीं थी।

(10) मोहन राकेश का पहला नाटक ________ माना जाता है।

www.sgbauonline.com